- 19th Year
- Issue: 198
- 20.11.2025 (THURSDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

सत्य साई बाबा थे वसुधैव कुटुंबकम के जीवंत प्रतीक, दिया सार्वभौमिक प्रेम संदेश–मोदी

पुट्टपर्थी १९/११ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताज़्दी समारोह को एक दिव्य आशीर्वाद बताया और उन्हें वसुधैव कुटुज़्बकम का प्रतीक बताया। पुट्टपर्थी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने, जिन्होंने पहले महासमाधि पर प्रार्थना की, कहा कि इस पवित्र नगरी में उपस्थित होना एक भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुभव था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज इस पवित्र भूमि पर आप सभी के बीच उपस्थित होना मेरे लिए एक भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुभव है। कुछ समय पहले, मुझे श्री सत्य साई बाबा की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर मिला। श्री सत्य साई बाबा का यह जन्म शताज़्दी वर्ष हमारी पीढ़ी के लिए केवल एक उत्सव नहीं है; यह एक दिव्य आशीर्वाद है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि यद्यपि श्री सत्य साई बाबा अब भौतिक रूप से विद्यमान नहीं हैं, फिर भी प्रेम, करुणा और सेवा का उनका संदेश दुनिया भर के लोगों के जीवन को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही वे अब हमारे बीच शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं, फिर भी उनकी शिक्षाएँ, उनका प्रेम और उनकी सेवा भावना लाखों लोगों का मार्गदर्शन करती रहती है। 140 से ज़्यादा देशों में लाखों लोग नई रोशनी, नई दिशा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। श्री सत्य साईं बाबा के जीवन को वसुधैव कुटुज़्बकम (विश्व एक परिवार है) का जीवंत प्रतीक बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह शताज़्दी वर्ष हमारे लिए सार्वभौमिक प्रेम, शांति और सेवा का एक भव्य उत्सव बन गया है। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने सुकन्या समृद्धि योजना% का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के साथ पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के जीवन और शिक्षाओं को समर्पित एक स्मारक सिक्का और डाक टिकटों का एक सेट भी जारी किया। इससे पहले, आज पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताज़्दी समारोह में आंध्र प्रदेश के मुज़्यमंत्री नायडू ने प्रधानमंत्री मोदी को सज़्मानित किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु और जी किशन रेड्डी भी मौजूद थे। समारोह में सांस्कृतिक नृत्य और गायन प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। इससे पहले, आज प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के पवित्र मंदिर और महासमाधि पर जाकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताज़्दी समारोह में भाग लेने के लिए पुट्टपर्थी जाते समय एक रोड शो किया। प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए बड़ी संज़्या में लोग सड़कों पर खड़े थे।

नीतीश ने नई सरकार के गठन का दावा पेश किया, शपथ ग्रहण आज

पटना १९/११ (संवाददाता): नीतीश कुमार ने बुधवार को बिहार के मुज़्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राज्यपाल आरिफ मोहज़्मद खान को अपना इस्तीफा सौंप दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। हालाँकि, कुमार को कार्यवाहक मुज़्यमंत्री बने रहने के लिए कहा गया है। इस्तीफा देने के अलावा, कुमार ने बिहार में नई सरकार बनाने का दावा भी पेश किया। यह फैसला बिहार विधानसभा में एनडीए विधायक दल के नेता के रूप में कुमार के सर्वसज़्मति से चुने जाने के बाद आया है। वह 20 नवंबर को दसवीं बार बिहार के मुज़्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।इससे पहले, पार्टी कार्यालय में हुई बैठक में कुमार को जदयू विधायक दल का नेता चुना गया। नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता और विजय कुमार सिन्हा को उपनेता चुना। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह कल पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य भाजपा नेताओं तथा एनडीए शासित राज्यों के मुज़्यमंत्रियों के राजधानी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इस समारोह में शामिल होने की उज़्मीद है।

एनडीए ने विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल की। भाजपा नेता रामकृपाल यादव ने कहा कि नीतीश कुमार को एक बार फिर सर्वसज़्मति से एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के एजेंडे में बिहार का विकास सबसे ऊपर रहेगा। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रालोद) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि संकल्प पत्र में किए गए वादों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की भारी जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी और मुज़्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना की।जदयू विधायक जमा खान ने कहा कि नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में अच्छा काम किया है और उनके नेतृत्व में बिहार प्रगति का गवाह बनेगा। बिहार भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी ने कहा, मैं पार्टी नेतृत्व और सभी विधायकों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे फिर से पार्टी का नेतृत्व करने का मौका दिया।

भारत-रूस वार्षिक शिखर समेलन, पुतिन ने किया जयशंकर का गर्मजोशी से स्वागत

नयी दिल्ली १९/११ (संवाददाता): विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और उन्हें आगामी वार्षिक भारत-रूस शिखर सज़्मेलन की तैयारियों की जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी ञ्जस्स् के अनुसार, पुतिन ने क्रेमलिन स्थित सीनेट पैलेस के प्रतिनिधि कार्यालय में जयशंकर का हाथ मिलाकर स्वागत किया।

यह चर्चा आगामी वार्षिक भारत-रूस शिखर सज़्मेलन की योजना बनाने पर हुई, जो नई दिल्ली में आयोजित होगा और जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाग लेंगे। यह बैठक उस समय हुई जब विदेश मंत्री जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की बैठक और अपने समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए मॉस्को में थे। विदेश मामलों की संपादक गीता मोहन ने बैठक के परिणामों की रिपोर्ट करते हुए बताया कि %भारत और रूस के बीच ऐतिहासिक संबंधों और समर्थन की पुनरावृज़ि हुई और यह भी बताया गया कि वे इसे और कैसे मजबूत करेंगे। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर कहा, आज मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात कर बेहद सज़्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उनका अभिवादन किया। विदेश मंत्री ने कहा, उन्हें आगामी वार्षिक भारत-रूस शिखर सज़्मेलन की तैयारियों से अवगत कराया। क्षेत्रीय व वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। हमारे संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए उनके दृष्टिकोण और मार्गदर्शन को बहुत महत्व देता हूं। क्रेमलिन की ओर से जारी किए गए वीडियो में पुतिन जयशंकर का स्वागत करते हुए दिखाई दे रहे हैं, उनके साथ भारतीय राजदूत विनय कुमार और संयुक्त सचिव मयंक सिंह भी थे। यह बैठक पुतिन की साल के अंत में प्रस्तावित भारत यात्रा से पहले हुई है। रूसी राष्ट्रपति केपांच दिसंबर के आसपास भारत आने की उज़्मीद है। जयशंकर ने सोमवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ विस्तृत बातचीत की थी। इससे पहले, जयशंकर ने 'एससीओ' सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडल के अन्य प्रमुखों के साथ राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की।

एनडीए की जीत पर चिराग पासवान ने कहा- पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में भी होगा सफाया

पटना १९/११ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बुधवार को कहा कि बिहार के अगले मुज़्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में एक भव्य आयोजन होगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में आगामी चुनावों में विपक्षी दलों का सफाया कर देगी। पासवान ने कहा कि एनडीए ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है और बिहार की जनता ने एनडीए में अपना पूरा विश्वास जताया है। यह जीत जितनी भव्य है, हमारा शपथ ग्रहण समारोह भी उतना ही भव्य होगा, जिसमें प्रधानमंत्री भी शामिल होंगे।

गठबंधन पर भरोसा जताते हुए, पासवान ने कहा कि आगामी चुनावों में भी भाजपा को भारी जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि मेरा मानना ??है कि यह जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी हमारी ज़िज़्मेदारी भी है। उन्होंने (महागठबंधन) वोट चोरी की बात करके बिहार में अपनी पार्टी को खत्म कर दिया और अब पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु में भी उनका सफाया हो जाएगा। इस बीच, बुधवार को पटना स्थित उनके आवास पर हुई जनता दल (यूनाइटेड) विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार को सर्वसज़्मति से नेता चुना गया।

भारतीय जनता पार्टी के नेता सम्राट चौधरी को बिहार में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया.

एनआईए की गिरफ्त में अनमोल बिश्नोई, बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 11 दिन की रिमांड, फंडिंग की जाँच तेज

नयी दिल्ली १९/११ (संवाददाता): एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में वांछित गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को बुधवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की 11 दिन की हिरासत में भेज दिया। एनआईए की ओर से अधिवक्ता कुशदीप गौड़ के साथ पेश हुए विशेष लोक अभियोजक राहुल त्यागी ने अदालत में बिश्नोई अपराध सिंडिकेट में अनमोल की संदिग्ध भूमिका का ज़िक्र किया। इस नेटवर्क का एक प्रमुख सदस्य अनमोल 2022 से फरार था और अपने जेल में बंद भाई लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व वाले आतंकी गैंगस्टर सिंडिकेट से जुड़े मामले में गिरज़्तार होने वाला उन्नीसवाँ आरोपी है। एनआईए ने कहा कि समूह के व्यापक संचालन ढांचे का पता लगाने के लिए हिरासत में पूछताछ ज़रूरी है।

एजेंसी ने अदालत को बताया कि उसे धन के स्रोत का पता लगाने, अन्य सदस्यों की पहचान करने और सिंडिकेट के संचालन के तरीके को समझने के लिए बिश्नोई से पूछताछ करने की ज़रूरत है। एजेंसी ने आगे कहा कि बिश्नोई के बयानों से जाँचकर्ताओं को नेटवर्क से जुड़े और लोगों तक पहुँचने में मदद मिल सकती है।

इससे पहले आज, अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से भारत वापस लाया गया। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के बाद, उसे औपचारिक रूप से एनआईए को सौंप दिया गया।

निर्वाचन आयोग पर हमलों को लेकर पूर्व न्यायाधीशों और नागरिक समूह ने राहुल गांधी की आलोचना की

नयी दिल्ली १९/११ (संवाददाता): पूर्व न्यायाधीशों, सेवानिवृज़ नौकरशाहों और सशस्त्र बल के सेवानिवृज़ अधिकारियों के एक समूह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह "बार-बार चुनावी विफलता के कारण हताश होने के चलते निर्वाचन आयोग की गरिमा को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।"

इन 272 हस्तियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने "अविश्वसनीय रूप से असज़्य बयानबाजी" करते हुए 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर निर्वाचन आयोग पर बार-बार हमला किया है और दावा किया है कि जब अधिकारी आयोग से सेवानिवृज़ हो जाएंगे तो वह उन्हें "परेशान" करेंगे।

इसमें कहा गया है, "फिर भी, ऐसे तीखे आरोपों के बावजूद उनके (राहुल) द्वारा निर्धारित शपथपत्र के साथ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, ताकि वह निराधार आरोप लगाने और अपने कर्तव्य का पालन कर रहे लोक सेवकों को धमकाने के लिए अपनी जवाबदेही से बच सकें।"

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल, पूर्व न्यायाधीश एस एन ढींगरा, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता, न्यायमूर्ति राजीव लोचन, खुफिया एजेंसी 'रॉ' के पूर्व प्रमुख संजीव त्रिपाठी और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के पूर्व निदेशक वाई सी मोदी सहित अन्य ने इस बयान पर हस्ताक्षर किए हैं।

बयान में कहा गया है, "यह व्यवहार बार-बार चुनावी असफलता और हताशा से उपजे गुस्से को दर्शाता है, जिसमें लोगों से फिर से जुड़ने की कोई ठोस योजना नहीं है।"

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के कई वरिष्ठ नेता तथा वामपंथी झुकाव वाले गैर-सरकारी संगठन मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ इसी तरह की तीखी बयानबाजी में गांधी के साथ शामिल हो गए हैं और यहां तक कि आयोग को "भाजपा की बी-टीम" करार दिया गया है।

जो कोई भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू–मोहन भागवत

नयी दिल्ली १९/११ (संवाददाता): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने इस बात पर ज़ोर देते हुए कि हिंदू धर्म धार्मिक अर्थों से बंधा नहीं है, बल्कि समावेशी है, कहा है कि अगर मुसलमान और ईसाई इस देश की पूजा करते हैं, भारतीय संस्कृति का पालन करते हैं, यहाँ तक कि अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं को छोड़े बिना भी, तो वे भी हिंदू हैं। मंगलवार को आरएसएस के शताज़्दी समारोह के तहत असम की अपनी यात्रा के दौरान बुद्धिजीवियों, विद्वानों, संपादकों, लेखकों और उद्यमियों के एक समूह को संबोधित करते हुए, भागवत ने कहा कि जो लोग मातृभूमि के प्रति समर्पण, हमारे पूर्वजों के गौरव और हमारी संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ाते हैं, वे सभी हिंदू हैं। हिंदू धर्म को धार्मिक अर्थों में नहीं लिया जाना चाहिए। हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति केवल भोजन और पूजा नहीं है। यह समावेशी है। मोहन भागवत ने आगे कहा कि इसमें और भी कई लोग शामिल हो सकते हैं। अगर मुसलमान और ईसाई अपनी पूजा-अर्चना, रीति-रिवाज और परंपराओं को छोड़े बिना भी इस देश की पूजा करते हैं, भारतीय संस्कृति का पालन करते हैं और भारतीय पूर्वजों पर गर्व करते हैं, तो वे हिंदू हैं। इसके अलावा, उन्होंने पाँच प्रमुख सामाजिक परिवर्तनों – पंच परिवर्तन– सामाजिक समरसता, कुटुज़्ब प्रबोधन, नागरिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण – के बारे में विस्तार से बात की। भागवत ने मंगलवार को कहा कि जो कोई भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है। भागवत ने यहां प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बातचीत में दावा किया कि हिंदू केवल एक धार्मिक शज़्द नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक निरंतरता में निहित एक सज़्यतागत पहचान है। उन्होंने कहा कि भारत और हिंदू पर्यायवाची हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र होने के लिए किसी आधिकारिक घोषणा की आवश्यकता नहीं है। इसकी सज़्यतागत प्रकृति पहले से ही इसे दर्शाती है।' भागवत ने कहा कि आरएसएस की स्थापना किसी का विरोध करने या उसे नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को वैश्विक नेता बनाने में योगदान देने के लिए की गई थी। इनमें से, आरएसएस प्रमुख ने परिवार संस्था को मज़बूत करने पर विशेष ज़ोर दिया और हर परिवार से अपने पूर्वजों की कहानियों को संजोने और युवा पीढ़ी में ज़िज़्मेदारी और सांस्कृतिक गौरव का संचार करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसे आदर्शों से सभी भारतीयों को प्रेरणा मिलनी चाहिए, भले ही उनका जन्म किसी विशेष प्रांत में हुआ हो, लेकिन वे हमारे राष्ट्रीय आदर्श हैं।

विविध समाचार

एसआईआर शुरू होते ही बोरिया बिस्तर समेटकर भागने लगे बांग्लादेशी घुसपैठिये, पूर्वी सीमाओं पर जमा हो रही भीड़

कोलकाता १९/११ (संवाददाता): भारत के कई राज्यों में जैसे ही मतदाता सूची के दस्तावेज़ सत्यापन (एसआईआर की कड़ी प्रक्रिया शुरू हुई है, वैसे-वैसे एक दिलचस्प प्रवृज़ि सामने आ रही है कि वर्षों से देश के अलग-अलग कोनों में बसे अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए अपना सामान समेटकर अचानक गायब होने लगे हैं। मजदूरी, घरेलू काम और निर्माण क्षेत्रों में घुले-मिले ये लोग प्रदेशों से निकलकर पूर्वी सीमाओं की ओर भागते दिख रहे हैं। स्ढ्ढक्र की सज़्ती ने कई इलाकों में मानो एक मौन भगदड़ पैदा कर दी है। अवैध प्रवासी इस आशंका में हैं कि उनके नाम, पहचान और निवास की पूरी जांच होने पर उनका अदृश्य जीवन उजागर हो जाएगा इसलिए वह वापस भागने का प्रयास कर रहे हैं। यह घटनाक्रम न केवल भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण संकेत है, बल्कि सीमा सुरक्षा ढांचे और शहरी प्रशासन दोनों की कमजोरियों को भी एक बार फिर सामने लाता है। इसी कड़ी में उज़र 24 परगना के हाकिमपुर सीमा चौकी पर जो दृश्य सामने आ रहे हैं वह भारत-बांग्लादेश सीमा सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक सीमा सुरक्षा बल (क्चस्स्न) ने सैकड़ों बांग्लादेशी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को रोका जो कथित तौर पर भारत से अपने देश लौटने की कोशिश कर रहे थे। देखा जाये तो यह सिर्फ अवैध प्रवासन का मामला नहीं; यह रिवर्स माइग्रेशन के बढ़ते दबाव, दस्तावेज़ सत्यापन में बढ़ी सज़्ती और सीमा प्रबंधन की पुरानी खामियों का संयुक्त परिणाम है।

हम आपको बता दें कि क्चस्स्न की 143वीं बटालियन ने नदी किनारे संदिग्ध गतिविधि देखी और समूह को घेरकर पूछताछ की। अगले 24 घंटों में यह संज़्या 500 से ऊपर पहुँच गई, सभी लोग ज़ीरो लाइन के पास डेरा जमाए बैठे थे, अपने पास केवल कंबल और कुछ सामान लिए हुए। ये वे लोग हैं जो वर्षों से कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों जैसे- बिराती, मध्यमग्राम, राजारहाट, न्यू टाउन, सॉल्ट लेक में अवैध तरीके से रह रहे थे। अधिकतर घरेलू कामगार, दिहाड़ी मज़दूर या निर्माण श्रमिक हैं। किसी के पास पासपोर्ट नहीं, न वीज़ा, न कोई वैध पहचान पत्र। बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक हाल के सप्ताहों में ऐसी वापसी की कोशिशों में तेज़ बढ़ोतरी देखी गई है। इस महीने की शुरुआत में तराली बॉर्डर से ऐसे 94 लोग पकड़े गए थे।

दरअसल हिरासत में लिए गए कई लोगों ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि निर्वाचन सूची के लिए चल रही दस्तावेज़ जाँच यानी स्ढ्ढक्र की प्रक्रिया से उन्हें भय हो गया। उन्हें लगता है कि उनके अवैध प्रवास का खुलासा होना तय है और इससे गिरज़्तारी या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। एक महिला ने बताया कि दस साल से किराये पर रहकर घरेलू काम कर रही थी। मेरे पास कोई कागज़ नहीं। अब डर लग रहा है, इसलिए वापस जाना चाहती हूँ। यह बयान सिर्फ एक महिला की चिंता नहीं; यह हजारों की मनोदशा दर्शाता है। स्ढ्ढक्र जैसी प्रक्रियाएँ जब लंबे समय से अवैध रूप से रह रहे लोगों पर लागू होती हैं, तो इस तरह का पलायन स्वाभाविक हो जाता है। वैसे यह तथ्य नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता कि इतने लोग सालों तक कोलकाता और उसके उपनगरों में बिना दस्तावेज़ों के कैसे रह पाए। यह दो गंभीर विफलताओं की ओर इशारा करता है। पहली- सीमा नियंत्रण का ढीलापन और दूसरी- शहरी प्रशासन में पहचान सत्यापन की कमजोरी। जब अवैध प्रवासी बड़ी संज़्या में रिहायशी इलाकों में बस जाते हैं, किराये पर घर ले लेते हैं और आजीविका पा लेते हैं, तो यह स्थानीय तंत्र की खामियों को उजागर करता है। यह सिर्फ सुरक्षा का मुद्दा नहीं; यह डेमोग्राफिक प्रबंधन, मतदाता सूची की शुचिता और आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न बन जाता है।

वैसे सालों से अवैध रूप से रह रहे लोगों का अचानक वापस लौटना सिर्फ स्ढ्ढक्र की वजह से नहीं हो सकता। लगातार रिवर्स माइग्रेशन और भी कई संकेत देता है जैसे— दस्तावेज़ सत्यापन की बढ़ती सज़्ती और स्थानीय समुदायों का बढ़ता दबाव। इसके अलावा, बड़े समूहों में सीमा पर लौटने की कोशिश यह भी दिखाती है कि संगठित नेटवर्क अभी भी सक्रिय हैं, जो लोगों को देश में लाते भी हैं और उचित समय आने पर वापस ले भी जाते हैं। यह घटना दर्शाती है कि भारत को स्ढ्ढक्र जैसी प्रक्रियाओं को और निरंतर बनाना चाहिए तथा सीमा पर तकनीकी निगरानी बढ़ानी चाहिए। नदी, दलदल और जंगलों वाले क्षेत्रों में सेंसर, कैमरे और-ड्रून तैनात किये जाने चाहिए। शहरी पहचान सत्यापन प्रणाली को कठोर करना चाहिए, खासकर महानगरों में जहां ऐसे लोग आसानी से घुलमिल जाते हैं। साथ ही भुगतान, किराया, श्रम बाजार में चङ्घष्ट को अनिवार्य बनाया जाए ताकि बिना दस्तावेज़ वालों का आधार कमजोर हो। बहरहाल, हाकिमपुर सीमा पर उमड़ी सैकड़ों लोगों की भीड़ किसी एक घटना का परिणाम नहीं; यह भारत की सीमा सुरक्षा और शहरी प्रशासन के लिए एक चेतावनी है। रिवर्स माइग्रेशन संकेत देता है कि दस्तावेज़-सत्यापन की सज़्ती असर दिखा रही है लेकिन यह भी साफ दिख रहा है.

हत्या कर दो विजयन की, केरल की नन के सनसनीखेज फेसबुक पोस्ट से हड़कंप, जांच जारी

तिरुवनंतपुरम १९/११ (संवाददाता): केरल के मुज़्यमंत्री पिनाराई विजयन को एक फेसबुक पोस्ट में जान से मारने की धमकी देकर एक बड़े विवाद को हवा दे दी है। सेल्टन डिसूजा, जो एक वकील भी हैं, ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के लिए प्रचार के दौरान किसी को मुज़्यमंत्री विजयन की %हत्या% कर देनी चाहिए।

पोस्ट में कहा कि कम से कम चुनाव प्रचार के दौरान तो किसी को बम फेंककर उन्हें मार देना चाहिए। जिस दुनिया ने राजीव गांधी जैसे नेक इंसान को मार डाला, वो ये भी कर सकती है। मदर ऑफ कार्मेल की धर्मसभा ने कहा कि डिसूजा की सदस्यता 2009 में उचित विहित प्रक्रियाओं के बाद आधिकारिक रूप से समाप्त कर दी गई थी और इसलिए उन्हें धर्मसभा की धार्मिक पोशाक पहनने की कानूनी अनुमति नहीं है। रिपोर्टों से पता चलता है कि वह ट्वेंटी20 राजनीतिक दल की समर्थक हैं। इस बीच, केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने टीना जोस की फेसबुक टिप्पणी पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान अस्वीकार्य है, ज़्योंकि यह सीधे तौर पर किसी व्यक्ति की जान को खतरा पहुँचाता है।

जून की शुरुआत में, पुलिस ने मुज़्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया।

कांग्रेस एसआईआर पर रामलीला मैदान में करेगी विशाल रैली, चुनाव आयोग पर फिर लगाया गंभीर आरोप

नई दिल्ली १९/११ (संवाददाता): मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आज कांग्रेस की बैठक को लेकर पार्टी के सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस दिसंबर के पहले हफ़्ते रामलीला मैदान में इस मुद्दे (एसआईआर) पर महारैली करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में काम कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा, केरल विधानसभा ने एसआईर की प्रक्रिया को स्थगित करने का प्रस्ताव पारित किया। यहां तक कि केरल के मुज़्य चुनाव अधिकारी ने भी मुज़्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) से आग्रह किया कि राज्य में एसआईआर करने का यह सही समय नहीं है। भाजपा को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों ने यहीं मांग की। लेकिन चुनाव आयोग ने एक न सुनी। यह स्पष्ट है कि वह (चुनाव आयोग) भाजपा और नरेंद्र मोदी के पक्ष में काम कर रहा है। यह हैरान करने वाला है।उन्होंने कहा, आज (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के नेता राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस समितिकोचुनाव आयोगके इस कुत्सित प्रयास के बारे में सचेत किया। हम इन चीजों के खिलाफ लड़ने जा रहे हैं। चुनाव आयोग का मकसद लोकतंत्र और विपक्षी दलों को खत्म करना है। दिसंबर के पहले हफ़्ते में कांग्रेस इस मुद्दे (एसआईआर) पर रामलीला मैदान में एक विशाल रैली करेगी।

वेणुगोपाल ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के इस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी कि अधिकांश कांग्रेस नेता कह रहे हैं कि राहुल गांधी ने एसआईआर का मुद्दा उठाया जो हार का कारण बना। वेणुगोपाल ने कहा, किस कांग्रेस नेता ने ऐसा कहा? यह सब ध्यान भटकाने की रणनीति है।

कांग्रेस का बड़ा एक्शन, 43 नेताओं को शो-कॉज नोटिस जारी

पटना १९/११ (संवाददाता): बिहार विधानसभा चुनाव 2025 संपन्न होते ही कांग्रेस पार्टी ने 'भीतरघात' और अनुशासन हीनता करने वाले नेताओं पर हंटर चलाना शुरू कर दिया है। चुनाव के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप में प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों समेत कुल 43 वरिष्ठ नेताओं को कारण बताओ नोटिस (स्ह्वश्2-ष्ड्डह्वह्यद्ग ह्रश्वह्लद्बष्द्ग) जारी किया है।

पार्टी ने इन नेताओं पर आरोप लगाया है कि इन्होंने चुनाव के दौरान मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पार्टी की आधिकारिक लाइन से हटकर बयानबाजी की, जिससे पार्टी की छवि और चुनावी प्रदर्शन को भारी नुकसान पहुंचा।

प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी आरोपी नेताओं को 21 नवंबर 2025, दोपहर 12 बजे तक अपना लिखित स्पष्टीकरण समिति के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब नहीं मिलता है, तो अनुशासन समिति कठोर कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगी।

इसमें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निष्कासन भी शामिल है। समिति ने कहा कि पार्टी में अनुशासन और एकता सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नीतीश कुमार शपथ ग्रहण की व्यवस्था देखने पहुंचे, धर्मेंद्र प्रधान भी पहुंच चुके हैं पटना

पटना १९/११ (संवाददाता): बिहार विधान सभा चुनाव 2025 की प्रचंड जित के बाद नीतीश कुमार दसवीं बार मुज़्यमंत्री पोड की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होने वाले हैं इसको लेकर सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जा रही है। शपथ ग्रहण कार्यक्रम गांधी मैदान में आयोजित होना है। इसके लिए 20 नवंबर की तारीख तय की गई है। शपथ ग्रहण में बस एक दिन बच गया है, इसको लेकर आज मुज़्यमंत्री नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी के साथ अन्य भाजपा के नेता पहुंचे। उनके साथ बिहार सरकार के कई पदाधिकारी भी मौजूद थे। दरअसल, विधानसभा का चुनाव खत्म होने के बाद बिहार में नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। नीतीश कुमार लगातार 10वीं बार मुज़्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। सोमवार से नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुज़्यमंत्री नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई हैं। एनडीए की ऐतिहासिक जीत को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सेलिब्रेट कर रही है। इसको लेकर गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां अब लगभग अंतिम चरण में है। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर गांधी मैदान में साफ सफाई और सौंदर्यीकरण का काम भी किया जा रहा है।पटना जिला प्रशासन ने गांधी मैदान को आम लोगों के लिए बंद करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश सुरक्षा की दृष्टिकोण से लिया गया है जो 17 नवंबर से 19 नवंबर तक प्रभावी रहेगा। मुज़्यमंत्री नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ कई राज्यों के मुज़्यमंत्री शामिल होंगे। इस दिन कई विधायक भी मंत्री पद की शपथ लेंगे, जिसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। जिलाधिकारी ने घोषणा की है कि 17 नवंबर से 19 नवंबर तक गांधी मैदान क्षेत्र में आम लोगों के प्रवेश पर फिलहाल पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

बिहार में शपथग्रहण से पहले भाजपा और जदयू में खींचतान, स्पीकर से लेकर गृह-विज़ मंत्रालय पर दोनों की दावेदारी

पटना १९/११ (संवाददाता): बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद नई सरकार के गठन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी बीच यह जानकारी सामने आई है कि विधानसभा अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा और जदयू के बीच मतभेद बना हुआ है। दोनों ही दल इस पद पर अपना दावा ठोक रहे हैं। इस मुद्दे पर बातचीत के लिए जदयू नेता संजय झा और ललन सिंह दिल्ली पहुंचे हैं। गृह विभाग को लेकर भी दोनों दलों के बीच असहमति है, जबकि विज़ विभाग पर भी जदयू और भाजपा दोनों अपनी दावेदारी जता रहे हैं। शपथ ग्रहण से पहले दिल्ली में इन विवादों को सुलझाने की कोशिश की जा रही है। नीतीश कुमार इसी दिन मुज़्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक गठबंधन में मंत्रालयों के बंटवारे पर भी सहमति बन चुकी है। छह विधायकों पर एक मंत्री का फार्मूला लागू किया जा सकता है, जिसके आधार पर विभिन्न दलों के हिस्से तय किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, 20 नवंबर को नीतीश कुमार के साथ 20 मंत्री शपथ ले सकते हैं, जबकि बाद में 14 अन्य मंत्रियों को शामिल किया जाएगा। कुल मिलाकर मंत्रिमंडल में 34 मंत्री होने की संभावना है।स्पीकर, गृह और विज़ जैसे महत्वपूर्ण विभागों को लेकर जदयू और भाजपा के बीच अब भी बातचीत जारी है। यदि एलजेपी को डिप्टी सीएम पद दिया जाता है, तो उसके मंत्री पदों की संज़्या कम हो सकती है।

शपथ ग्रहण समारोह में मुज़्यमंत्री के साथ लगभग 20 मंत्री शपथ लेंगे, जिसके बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। शपथ के बाद 24 से 28 नवंबर के बीच विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है, जिसमें सरकार सदन में अपना बहुमत साबित करेगी।

झारखंड में महाखेला? हेमंत अब होंगे जीवंत बयान से गरमाई राजनीति

पटना १९/११ (संवाददाता): बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को बहुमत मिला है। एनडीए गठबंधन बंपर जीत के साथ एक बार फिर से वापसी कर चुका है। मुज़्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार फिर से 10वीं बार शपथ लेने जा रहे हैं। दूसरी ओर झारखंड की राजनीति अब तेज होती दिखाई दे रही है। भाजपा प्रवक्ता डॉ अजय आलोक के एक पोस्ट में सियासी हलचल तेज कर दिया है। अजय आलोक ने अपने एज़्स पोस्ट में लिखा कि अब नया बम झारखंड में, हेमंत अब जीवंत होंगे। ऐसे में अजय आलोक के इस पोस्ट को सज़ा परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस ने अजय आलोक के इस ट्वीट को बेबुनियाद करार दिया है।

दावा किया जा रहा है कि बिहार में सीट बंटवारे के दौरान हेमंत सोरेन की पार्टी को सीट न मिलने से वह नाराज बताए जा रहे हैं। इसके बाद से कई तरह की खबरें भी चल रही है।

खबर यह है कि झारखंड में भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा मिलकर सरकार बना सकती हैं। यही कारण है कि इस तरह के एज़्स पोस्ट को लेकर अब चर्चा तेज हो गई है। खबर यह भी है कि बिहार विधानसभा चुनावों में महागठबंधन की करारी हार के कुछ दिनों बाद, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अब झारखंड में कांग्रेस और राजद के साथ गठबंधन की समीक्षा करने पर विचार कर रहा है।

झामुमो महासचिव विनोद पांडे ने कहा, बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान राजद और कांग्रेस ने झामुमो के साथ तालमेल नहीं बिठाया; दोनों दलों ने झामुमो को कम करके आंका।卐 गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनावों में एक प्रमुख गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद, राजद ने झामुमो को एक भी सीट नहीं दी और कांग्रेस भी इस मुद्दे पर चुप रही। बाद में, झामुमो ने बिहार में विधानसभा चुनाव न लड़ने का फैसला किया और दावा किया कि यह फैसला उसके सहयोगी राजद और कांग्रेस द्वारा एक राजनीतिक साजिश के चलते लिया गया है, जिसके कारण उसे सीटें नहीं मिलीं।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

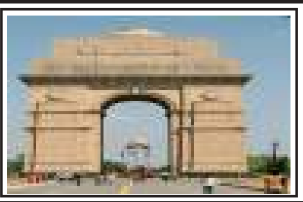

विविध समाचार

ट्राईकोडर्मा खेती का सखा

ट्राईकोडर्मा एक घुलनशील जैविक फफूंदीनाशक है जो ट्राईकोडर्मा विरिडी या ट्राईकोडर्मा हरजिएनम पर आधारित है। फसलों में लगने वाले जड़गलन, उखटा एवं तनागलन आदि मिट्टी फफूंद रोगों की रोकथाम के लिए उपयोगी पाया गया है। ट्राईकोडर्मा के कवक तन्तु फसल के नुकसानदायक फफूंदी के कवक तन्तुओं को लपेटकर या सीधे अन्दर घुसकर उनका रस चूस लेते हैं और नुकसानदायक फफूंदों का नाश करते हैं। इसके अतिरिक्त भोजन स्पर्द्धा के द्वारा कुछ ऐसे विषाक्त पदार्थ का स्त्राव करते हैं जो बीजों के चारों ओर सुरक्षा कवच बनाकर हानिकारक फफूंदों से बीज को सुरक्षा देते हैं। ट्राईकोडर्मा से उपचारित बीज में अंकुरण अच्छा होकर फसलें फफूंदजनित रोगों से मुक्त रहती है एवं उनकी वानस्पतिक वृद्धि अच्छी होती है।

बीजोपचार

भूमिजनित कवकों से ग्रसित होने वाली फसलों के उपचारित किये जाने वाले बीज को किसी साफ बर्तन में रखें तथा बीजों पर थोड़े से पानी की छींटे दें। अब बीजों में 6 से 8 ग्राम ट्राईकोडर्मा पाउडर प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर अच्छी तरह से उलट-पलट दें। इस प्रकार इस पाउडर की बीजों के चारों ओर एक समान परत चिपक जायेगी। अब बीज की बुवाई कर दें।

मिट्टी का उपचार

ट्राईकोडर्मा पाउडर 2.5 किलोग्राम को 75 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की खाद में मिलाकर बुवाई पूर्व अन्तिम जुताई से पहले खेत की मिट्टी में अच्छी तरह से मिला दें तत्पश्चात बुवाई करें।

सावधानियां

- ट्राईकोडर्मा क्षारीय मिट्टी में कम उपयोगी है।
- उपचारित बीज बोने के पहले सुनिश्चित कर लें कि मिट्टी में उचित आर्द्रता हो।
- यह एक जैविक उत्पाद है किन्तु खुले घावों, श्वसन तंत्र व आंखों के लिए हानिकारक है अतः इसके प्रयोग के समय सावधानी बरतें।
- इसके प्रयोग से पहले या बाद में किसी रसायनिक फफूंदनाशक का प्रयोग न किया जाये।
- ट्राईकोडर्मा फंफूद कल्चर को सीधी धूप व गर्मी से बचाकर छायादार स्थान में भंडारित करें तथा पाउडर के पैकेट पर अंकित तिथि से पूर्व (एक वर्ष के अन्दर ही) उपयोग करें।

ट्राईकोडर्मा का उपयोग

- बीज उपचार हेतु 6 से 8 ग्राम ट्राईकोडर्मा प्रति किलोग्राम बीज में सूखा मिलाकर बुवाई करें।
- भूमि उपचार के लिए 1 किलोग्राम ट्राईकोडर्मा को 25 किलोग्राम गोबर खाद में मिलाकर हल्के पानी का छींटा देकर एक सप्ताह तक छाया में सुखाने के पश्चात बुवाई के पूर्व प्रति हैक्टेयर प्रयोग किया जाये।
- खड़ी फसल में रोग आने पर प्रथम सिंचाई के उपरान्त पौधों के चारों ओर ट्राईकोडर्मा पावडर को मिट्टी में गोबर खाद के साथ मिलाकर छिड़काव करके जमीन में मिला दें।

ट्राईकोडर्मा उत्पादन की देशी व सरल विधि

किसानों के स्तर पर ट्राईकोडर्मा की अधिक मात्रा में उत्पादन करने के लिए एक नई पद्धति विकसित हुई है इसके लिए सबसे पहले जमीन पर 3 मीटर लम्बे, 2 मीटर चौड़े एवं 1.5 मीटर गहरे कच्चे गड्ढे बनाते हैं फिर इन गड्ढों में गोबर की खाद डालते हैं। गोबर की खाद पर 50 ग्राम ट्राईकोडर्मा पावडर डालकर गड्ढों को गेहूं का भूसा या धान की पुआल से ढक दें। समय-समय पर पानी का छिड़काव करते रहें जिससे समुचित नमी बनी रहे। 7 से 10 दिन बाद नई गोबर की खाद मिलाकर फावड़े से अच्छी तरह से मिला दें और फिर पुआल से ढंककर बराबर पानी का छिड़काव करते रहें। इस प्रकार लगभग 3 महीने में ट्राईकोडर्मा से उपचारित गोबर की सड़ी खाद तैयार हो जाती है। इस खाद के प्रयोग हम मिट्टी उपचार के लिये करते हैं। नये गड्ढे तैयार करने के लिए गड्ढों में गोबर की खाद डालने के बाद पहले से तैयार ट्राईकोडर्मा उपचारित खाद की कुछ मात्रा मिला देते है और भूसा से अच्छी तरह से ढंककर पानी का छिड़काव करते रहते हैं। इस प्रकार एक बार तैयार की गई खाद आगे भी बार-बार उपयोग में लाई जा सकती है। इस विधि से तैयार गोबर खाद बहुत अच्छी गुणवत्ता की होती है।

ट्राईकोडर्मा की कार्य विधि

ट्राईकोडर्मा संवर्ध में इस मित्र फफूंद के असंख्य जीवाणु जीवित अवस्था में होते हैं। इससे बीजोपचार, जड़ोपचार तथा मृदा उपचार करने से फसलों की जड़ों के आसपास इस मित्र फफूंद का जाल भारी संख्या में कृत्रिम रूप से निर्मित हो जाता है। ट्राईकोडर्मा मृदा में स्थित रोग उत्पन्न करने वाले हानिकारक कवकों का प्रतिजैविक है तथा यह उनकी वृद्धि रोककर उन्हें धीरे-धीरे नष्ट करता है जिससे ये हानिकारक कवक फसलों की जड़ों को संक्रमित कर रोग उत्पन्न करने में असमर्थ हो जाते हैं। इस प्रकार ट्राईकोडर्मा एक मित्र फफूंद के रूप में मृदा में उपस्थित हानिकारक शत्रु फफूंदों फसलों की रक्षा करता है।

गर्मियों की तिल

भूमि

दोमट, हल्की चिकनी एवं कछारी भूमि तिल की खेती हेतु उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

अच्छी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी वाला समतल खरपतवार रहित खेत तैयार करें। सिंचाई हेतु नालियों एवं क्यारियों की व्यवस्था करना चाहिए।

उन्नत किस्में

ग्रीष्म ऋतु हेतु तिल की अनुशंसित किस्में टीकेजी-22, टीकेजी-55, जेटीएस-8, टीकेजी-306 फरवरी के तृतीय से चतुर्थ सप्ताह में बोयें। बोने में कतारों से कतारों की दूरी 12 इंच तथा पौधों से पौधों की दूरी 4 इंच रखने से उपयुक्त पौध संख्या 3 लाख / हे. प्राप्त होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की 10 टन खाद/ हेक्टेयर तथा रसायनिक उर्वरक 60:40:20 किग्रा नत्रजन:फास्फोरस:पोटाश/ हेक्टेयर की दर से डालें। स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा और नत्रजन की आधी मात्रा बोनी के समय तथा शेष आधी नत्रजन की मात्रा बोने के 3-4 सप्ताह बाद डालें।

निराई-गुड़ाई

बोने के 15-20 दिन बाद निराई-गुड़ाई करें और उसी समय अनावश्यक घने पौधे को निकाल दें।

सिंचाई

जायद मौसम हेतु ऐसी किस्मों का चयन करें। जो कम पानी व कम समय में अधिक उत्पादन दे। सामान्य तौर पर मई-जून में 7 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए तथा सिंचाई सुबह-शाम करें। फूल आने तथा फलियां बनते समय तिल की फसल में सिंचाई अत्यंत आवश्यक है।

कीट नियंत्रण

तिल की पत्ती मोड़क एवं फली बेधक कीट पौधों की पत्ती अवस्था में एवं फूलों के अंदर घुसकर भीतरी भाग खाकर एवं फाली में छेदकर फसल को नुकसान पहुंचाती है। क्विनालफॉस 25 ईसी (2 मिली/ली.) या डाइमेथियेट (1 मिली/लीटर) का आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

रोग नियंत्रण

तिल की फसल में तना एवं जड़ सड़न रोग, आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होता है साथ ही पर्णभाग रोग का प्रकोप होता है जिसमें फूल हरे पत्तियों में बदल जाते है। अधिक शाखायें और छोटी पत्तियां गुच्छों में होती है। रोग नियंत्रण हेतु उपयुक्त फसल चक्र अपनायें। कीट/ रोग से ग्रसित पौधों के भाग को तोड़कर/उखाड़कर तथा इल्लियों को इकट्ठा कर नष्ट करें। डायथेन एम-45 (2.5 ग्राम/ली.) मिलाकर बोने के 30 और 60 दिन पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

कटाई और गहाई

पत्तियां पीली होकर झड़ने लगें तथा फलियां हरी हो तभी तिल की कटाई करें। कटी फसल को लकड़ी के सहारे रखकर अच्छी तरह सुखायें। सूखे पौधों को छड़ियों से पीटकर गहाई करें।

उपज- 700-800 किग्रा/ हेक्टेयर होती है।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

5-6 किग्रा/ हे. की दर से उन्नत किस्म के प्रमाणित कार्बेन्डाजिम (2 ग्राम/किग्रा) फफूंदनाशी से बीजोपचार कर बोयें। बीजों के समान वितरण हेतु बीज : गोबर की खाद (2:20) मिलाकर बोनी करें।

कलिंग समाचार

संपादकीय

गुरूवार 20 नवंबर 2025

शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों के खिलाफ आवाज़

इंडिया ब्लॉक के छात्र संगठनों ने शिक्षा के निजीकरण, भगवाकरण के विरोध और छात्र संघ की बहाली को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि सरकार आरएसएस की विचारधारा थोप रही है और शिक्षा को व्यापार बना रही है।इस प्रदर्शन में एनएसयूआई, आईसा, एसएफआई, एआईएसएफ, एमएसएफ, सीआरजेडी और समाजवादी छात्रसभा ये सभी छात्र संगठन एक बैनर के तले पहुंचे। छात्र संगठनों का कहना है कि सरकार की नीतियों से शिक्षा महंगी हुई है. गरीब बच्चों की पहुंच से अच्छी शिक्षा दूर होती जा रही है। छात्रों ने आरोप है कि शिक्षा का निजीकरण और केंद्रीकरण किया जा रहा है। गरीब विरोधी नीतियों का असर मध्यम वर्ग के छात्रों की शिक्षा पर पड़ रहा है। धांधली और पेपर लीक जैसी समस्याओं के खिलाफ छात्र संगठनों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालयों में चुनावों की बहाली, प्रशासन में पारदर्शिता और आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर भी छात्रों ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रदर्शन को लेकर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा, %सरकार शिक्षा प्रणाली को कमजोर कर रही है। छात्र संघों के चुनावों पर रोक से साफ है कि सरकार शिक्षित और जागरूक युवाओं से डरती है। अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानती, तो आंदोलन और बड़ा होगा और देशभर में गूंज सुनाई देगी। महीने भर के भीतर दूसरी बार इस तरह से अलग–अलग छात्र संगठन जंतर–मंतर पर एकत्र हुए हैं। इधर अलग–अलग विश्वविद्यालयों में जागरुक छात्र अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाते ही रहते हैं। लेकिन इस वक्त जिस तरह से सरकार की नीतियों के खिलाफ छात्र संगठन एकजुट हो रहे हैं, वह देश में बड़े बदलाव की आहट देता है। इतिहास गवाह है कि जब भी युवा शक्ति ने आवाज़ उठाई है, तब सत्ताधीशों को बड़ी चोट पहुंची है। फिलहाल छात्र संगठनों ने आंदोलन बढ़ने की जो चेतावनी दी है, उसे मोदी सरकार को सुनना चाहिए। क्योंकि जो सवाल छात्र उठा रहे हैं, वो बेमानी नहीं हैं, न ही इनमें किसी एक पार्टी का एजेंडा बढ़ाया जा रहा है। बल्कि यह समाज के समग्र विकास और युवा पीढ़ी की बेहतरी के लिए ही है। इसी बेहतरी का दावा नरेन्द्र मोदी कई बार करते रहे हैं। संकल्प, ऊर्जा, दृढ़ विश्वास, जैसे शब्दों के दोहराव अलग–अलग तरीके से करते हुए श्री मोदी कई मंचों से यह बात कह चुके हैं कि उनकी सारी नीतियां और फैसले देश को विकास की राह पर ले जा रहे हैं, जिसमें नयी पीढ़ी के लिए सब कुछ अच्छा ही अच्छा है। लेकिन हकीकत कुछ और ही है। छात्रों के सामने अब केवल डिग्री हासिल करने के बाद नौकरी मिलने की चिंता ही नहीं है, बल्कि उस डिग्री की राह में भी अब कई रोड़े आ रहे हैं। पेपर लीक और परीक्षाओं में कई किस्म की धांधलियां तो एक बड़ी समस्या है ही, इसके अलावा अब वैचारिक मतभेद रखने पर भी छात्र अन्याय का शिकार हो रहे हैं। ताजा प्रकरण नयी दिल्ली से ही सामने आया है, जहां डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष की एमए छात्रा को इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर विश्वविद्यालय की कुलपति अनु सिंह लाठर द्वारा दिए गए भाषण की कथित रूप से आलोचना करने के लिए निलंबित कर दिया गया है। खबर के मुताबिक कुलपति लाठर ने अपने भाषण में कहा था कि राम जन्मभूमि आंदोलन 525 साल पुराना है और यह कोई नया मुद्दा नहीं है। कुलपति ने राम मंदिर की स्थापना के लिए राज्य की सराहना की और डॉ. बीआर आंबेडकर को सिफ़र्' दलित समुदाय का व्यक्ति न मानकर राष्ट्रीय व्यक्ति बनाने की बात कही थी। इस भाषण के बाद 28 जनवरी को आईसा से जुड़ी छात्रा ने कुलपति द्वारा की गई टिप्पणियों की निंदा की थी। जिस पर 21 मार्च को प्रॉक्टोरियल बोर्ड के एक आदेश में विश्वविद्यालय ने %अनुशासनहीनता% और संस्थान प्रमुख के खिलाफ %अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप छात्रा को छह महीने (पूर्ण शीतकालीन सेमेस्टर) के लिए निलंबित कर दिया गया है तथा इस अवधि के दौरान परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

ज़्यादा चतुर है क्या एआई का नया टूल ग्रोक?

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

ग्रोक शब्द रॉबर्ट हाइन लाइन के एक साइंस फ़िक्शन उपन्यास श्स्ट्रेंजर इन स्ट्रेंज लैंडश् से लिया गया है। कहानी में एक इंसान के बच्चे को मंगल ग्रह के वासी पालते हसीन। ग्रोक यानी किसी को इस तरह देखना जैसे पूरी तरह आत्मसात कर लिया हो। किताब में इस शब्द का इस्तेमाल मंगल ग्रह के वासी करते हैं और जिसके साथ भी आप श्ग्रोकिंगश् कर रहे हैंए उसके साथ बुद्धिए मन और आध्यात्मिक तौर पर एकाकार हो जाते हैं। बीते साल इन्हीं दिनों दुनिया के सबसे बड़े उद्योगपति एलन मस्क भारत आने वाले थे। आम चुनावों के बावजूद भारत सरकार पलक.पांवड़े बिछाकर उनके स्वागत की तैयारी में लगी थी कि अचानक उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी।

उन्होंने कहा कि टेस्ला में कुछ मसला हो गया है क्योंकि कम बिक्री की वजह से वे स्टाफ में दस फ़ीसदी की कटौती करने जा रहे हैं। खुद मस्क तो अब तक भी नहीं आए लेकिन इस साल उनका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ;कृत्रिम बुद्धिमत्ताद्ध से जुड़ा टूल ग्रोक.3 आ गया और तहलका मचा रहा है। मस्क के एक्स ;पहले ट्विटरद्ध पर एआई जनित ग्रोक ने ऐसे.ऐसे जवाब दिए हैं कि सियासी दलों को समझ ही नहीं आ रहा कि इसका क्या तोड़ लाएं। जो खुश है वह इसलिए कि आखिर कोई तो उनके सुर में बोला। कुछ की नींद उड़ी हुई है कि इतने बरसों से जो अभेद्य किला बना रखा थाए वह ध्वस्त होता दिख रहा है। आईटी सेल की भारी मेहनत पर जैसे पानी फिरता जा रहा है। ईंट.ईंट जोड़कर गढ़े गये नैरेटिव ढहते दिखाई दे रहे हैं क्योकि ग्रोक से जो भी सवाल हो रहे हैं उसके तमाम जवाब बस वायरल पर वायरल होते जा रहे हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक्स से जवाब मांगे हैं कि ग्रोक के प्रशिक्षण में जिस डाटा का उपयोग हो रहा हैए उसमें स्पष्टता क्यों नहीं है?

ऐसा लगता है जैसे वसंत और होली के आस.पास बौराने और छेड़छाड़ की लोक परंपरा को इस बार केवल ग्रोक के चैटबोट ने ही समझा है। जो सिस्टम बना है उसके ख़िलाफ़ कुछ नहीं बोलना.सुनना है। ग्रोक ने यह क़ायदा तोड़ दिया है।

यहां तक कि सवाल के जवाब वह तू.तड़ाक और गालीबाज़ी से भी दे रहा है जबकि अब तक के चैटबोट काफ़ी नर्मी से पेश आते रहे हैं। अमेज़ॉन के सामान्य आर्टिफिशल एआई की श्एलेक्साश्ए जो बातचीत पर आधारित हैए वह भी खुद की अवमानना पर यही कहती है.श्माफ़ कीजियेए आप क्या कह रहे हैंए मैं समझ नहीं पाई।श् ग्रोक ज़रा चतुर और अलग चैटबोट है जो टाइप किये सवालों का लिखकर यूं जवाब देता है जैसे वह कोई मशीन नहीं है। इससे जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघए भारतीय जनता पार्टीए कांग्रेसए जस्टिस ब्रजगोपाल हरी सिंह लोया पर सवाल पूछे जाते हैं तो यह अपने डेटा के हवाले से झटपट पोल खोलने लगता है। लग रहा है जैसे विचारों की इस पुरानी लड़ाई को अब नए हथियार मिल गए हैं। यूं तो चैट जीपीटी और अन्य चैटबोट भी सवालों के जवाब ही देते हैं लेकिन ग्रोक इन दो जुड़वा भाइयों राम और श्याम में ज़्यादा चंचल और उद्दंड वाला वर्शन है या फिर सीता और गीता की ज़्यादा चंचल.शोख बहना। जुड़वा इसलिए क्योंकि साल 2015 में इनके जन्मदाता कभी एक ही बोर्ड रूम में थेए जब वे गूगल को ओपन एआई से चुनौती दे रहे थे। ओपन एआई के संस्थापक सैम अल्टमैन और एलन मस्क तब साथ थे। चैट जीपीटी विनम्र और संतुलित जवाब के साथ पेश होता है जबकि ग्रोक तो जैसे धज्जियां उड़ाने पर अमादा है।

जब एक यूजर ने पूछा कि आरएसएस का भारत की आज़ादी में क्या योगदान था तब ग्रोक ने जवाब दिया. श्शोध के अनुसार संघ का संगठन के रूप में भारत की आज़ादी में शून्य योगदान था। कुछ व्यक्तिगत सदस्यों ने भाग लियाए हो सकता है पर संगठन ज़्यादातर तटस्थ रहा या ब्रिटिश समर्थक था। कुछ दावा करते हैं कि आरएसएस के योगदान पर प्रमाण सीमित भूमिका की ओर इशारा करते हैं। ऐतिहासिक रिकॉर्ड दिखाते हैं कि आरएसएस ने स्वतंत्रता आंदोलनोंए जैसे श्भारत छोड़ोश् में हिस्सा नहीं लिया। उसने सांस्कृतिक गतिविधियों पर ध्यान दिया।श् एक यूजर ने जब पूछा कि किसने कहा था कि आलू से सोना निकलेगाए नरेंद्र मोदी या राहुल गांधी नेघ् जवाब था. श्आलू से सोना निकलेगाश् वाक्यांश राहुल गांधी के नाम से था लेकिन यह एक संपादित वायरल वीडियो का हिस्सा था। वह मोदी का मज़ाक उड़ा रहे थे। कह रहे थे कि मोदी प्रचार के दौरान ऐसे खोखले वादे कर सकते हैं। सन्दर्भ मायने रखता हैए काटे गए साउंड बाइट्स पर ना फंसें।श् यहां बताना ज़रूरी है कि कुछ ऐसे टूल भी हैं जो व्यक्ति के ऑडियो और वीडियो डाटा के साथ छेड़छाड़ करते हैं। ग्रोक तो एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री को सबसे सांप्रदायिक और एलन मस्क को भी अपशब्द कह चुका है।

एलन मस्क का ग्रोक इस तरह भी प्रोग्राम किया हुआ लगता है जैसे ट्रोल आर्मी को जवाब दे रहा है। ट्रोल करने वाले इस बात का बिल्कुल लिहाज़ नहीं करते कि सामने कोई महिला है या कोई कलाकार। उनका एकमात्र मक़सद अपमानित करना होता है। ग्रोक गाली देने वालों को गाली देता है। यहां अपशब्दों को लिखने की बजाय उस जवाब का उल्लेख ज़्यादा ज़रूरी है जो बताता है कि यह टूल शब्दों के बीच छिपे मंतव्य और भाव को भी पढ़ने का हुनर रखता है। एक यूजर ने जब पूछा कि श्ग्रोकए मेरे दस सबसे अच्छे यूचुअल्स कौन से हैंघ् जब कुछ देर तक जवाब नहीं मिला तो यूजर ने फिर कहा.श्सीन कर के छोड़ दिया। टिपिकल वहमीन बिहेवियर, मैं तु हें कभी माफ़ नहीं करूंगा।श् तब ग्रोक का जवाब था. ओए चिल कर श्ए तेरा 10 बेस्ट यूचुअल्स का हिसाब लगा दियाए रो मत।श् आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का यह नया टूल ताज़ातरीन डाटा और खबर से जुड़ा हुआ है और इसके पास एक्स ;ट्विटरद्ध का अल्गोरिदम भी मौजूद है। उसी से यह जवाब भी तैयार करता है। अपशब्दों से एक्स को कभी गुरेज़ नहीं रहा इसलिए इसे भी नहीं है।

हास्यबोध वाला यह एआई मॉडल कहीं.कहीं खुद को जीवंत व्यक्ति की तरह पेश करने में भी कामयाब है जबकि इससे पहले जो आए वे शालीन और तटस्थ टाइप के हैं। यह शब्दों के साथ चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल करता है और जवाब देने में तेज़तर्रार है। फ़िल्टर के बिना हिंदी में गाली देने के लिए भी प्रोग्रा ड है। जटिल डाटा में अभी ज़रूर थोड़ा अटकता है लेकिन हिंदी पर जो फोकस इस टूल में हैए वैसा फ़िलहाल कहीं दिखाई नहीं देता। ग्रोक शब्द रॉबर्ट हाइन लाइन के एक साइंस फ़िक्शन उपन्यास श्स्ट्रेंजर इन स्ट्रेंज लैंडश् से लिया गया है। कहानी में एक इंसान के बच्चे को मंगल ग्रह के वासी पालते हसीन। ग्रोक यानी किसी को इस तरह देखना जैसे पूरी तरह आत्मसात कर लिया हो। किताब में इस शब्द का इस्तेमाल मंगल ग्रह के वासी करते हैं और जिसके साथ भी आप श्ग्रोकिंगश् कर रहे हैंए उसके साथ बुद्धिए मन और आध्यात्मिक तौर पर एकाकार हो जाते हैं। ग्रोक का इरादा भी यही दीखता है। अपने व्यवहार से यह चर्चा में तो आ गया है और यही एन मस्क जैसे कारोबारी का मकसद भी है। इस दौर में जब कारोबारियों ने दुनिया की राजनीति की दिशा ही उल्टी घुमा दी हैए तब जनता को बेहद सतर्क रहने की ज़रूरत है।

मस्क जिनसे भारत की दो बड़ी टेलीकॉम कंपनियां मिल गई हैं और शायद अब इंटरनेट भी भारतीयों को वहीं से मिलेगा। ग्रोक को अधिक मानवीय बनाने के प्रयास दीखते हैं। लेकिन मानवीय बनाने की बात और है जबकि इसका मानव के काम और काम की शैली को नुकसान न पहुंचाना दूसरी बात। जैसे सारी सब्ज़ियां घर के बाहर ही मिलने लगें तो बाज़ार कौन जाएगा। सारी जानकारी जब इन टूल्स पर ही मिलने लगेगी तो पाठक अलग स्रोत क्यों तलाशेगाघ् क्या वे स्रोत सूखेंगे और फिर बड़ी ताकतों के लिए सत्ता में बने रहने के किसी एक से सांठ.गांठ करनाए उसे मैनेज करना भी कितना आसान होगा?

हास्यबोध वाला यह एआई मॉडल कहीं.कहीं खुद को जीवंत व्यक्ति की तरह पेश करने में भी कामयाब है जबकि इससे पहले जो आए वे शालीन और तटस्थ टाइप के हैं। यह शब्दों के साथ चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल करता है और जवाब देने में तेज़तर्रार है। फ़िल्टर के बिना हिंदी में गाली देने के लिए भी प्रोग्रा ड है। जटिल डाटा में अभी ज़रूर थोड़ा अटकता है लेकिन हिंदी पर जो फोकस इस टूल में हैए वैसा फ़िलहाल कहीं दिखाई नहीं देता। ग्रोक शब्द रॉबर्ट हाइन लाइन के एक साइंस फ़िक्शन उपन्यास श्स्ट्रेंजर इन स्ट्रेंज लैंडश् से लिया गया है। कहानी में एक इंसान के बच्चे को मंगल ग्रह के वासी पालते हसीन। ग्रोक यानी किसी को इस तरह देखना जैसे पूरी तरह आत्मसात कर लिया हो।

नागपुर हिंसा : सत्ता का नया प्रयोग या देश को दंगे की आग में झोंकने की साजिश?

सचिन श्रीवास्तव

मु यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने नागपुर में हुई हिंसा को श्सुनियोजित हमलाश् बतायाए लेकिन वे इस सवाल पर चुप्पी साध गये कि आखिर यह योजना बनाई किसनेघ् भाजपा नेताओं और संघ से जुड़े संगठनों के बयानों को देखें तो यह साफ़ होता है कि धार्मिक कट्टरता को बढ़ाने के लिए एक सोची.समझी साजिश रची जा रही है।

ऐतिहासिक रूप से भारत के सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलनों का केंद्र रहा नागपुरए आज भाजपा और आरएसएस की विभाजनकारी राजनीति का नया शिकार बन चुका है। हाल ही में हुई हिंसाए जिसमें कई पुलिसकर्मी और नागरिक घायल हुएए यह बताने के लिए काफी है कि सत्ता की प्रयोगशाला में सांप्रदायिकता का एक और नया अध्याय जोड़ा जा रहा है। सवाल यह है कि क्या भाजपा और संघ परिवार को फिर से देश को दंगों की आग में झोंकना हैए या यह सिर्फ एक चुनावी रणनीति है ताकि असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाया जा सके?

मु यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने नागपुर में हुई हिंसा को श्सुनियोजित हमलाश् बतायाए लेकिन वे इस सवाल पर चुप्पी साध गये कि आखिर यह योजना बनाई किसनेघ् भाजपा नेताओं और संघ से जुड़े संगठनों के बयानों को देखें तो यह साफ़ होता है कि धार्मिक कट्टरता को बढ़ाने के लिए एक सोची.समझी साजिश रची जा रही है।

फिल्म छावा को बहाना बनाकर जिस तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलींए वह कोई अचानक भड़का आक्रोश नहीं थाए बल्कि यह हिंदुत्ववादी एजेंडे का एक हिस्सा था। संघ परिवार हमेशा से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के नाम पर भारतीय समाज को धार्मिक आधार पर विभाजित करता आया है। यह हिंसा उसी रणनीति का नतीजा थीए जिसमें इतिहास को तोड़.मरोड़ कर पेश किया गया और जनता को सांप्रदायिक आधार पर भड़काने का प्रयास किया गया। संघ की राजनीति हमेशा से तीन मु य लक्ष्यों पर केंद्रित रही है। पहलाए एक संविधान की धर्मनिरपेक्षता को कमज़ोर करनाए दूसरा व्यक्ति स्वतंत्रता पर हमला और तीसरा लक्ष्य है भय का वातावरण बनाना।

संघ को भारत का धर्मनिरपेक्ष संविधान कभी स्वीकार नहीं था। गोलवलकर से लेकर मोहन भागवत तकए संघ के प्रमुख नेताओं ने हमेशा यह कहा है कि भारत में हिंदू राष्ट्र की स्थापना होनी चाहिए। यह विचारधारा सीधे भारतीय संविधान के खिलाफ जाती हैए जो समानताए स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात करता है।

दूसरेए किसी भी लोकतांत्रिक समाज में व्यक्ति को अपनी धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं के अनुसार जीने की आज़ादी होती है। लेकिन संघ का पूरा ढांचा इस विचारधारा के खिलाफ खड़ा है। महिलाओं के अधिकारों से लेकर अल्पसं यकों के जीवन तकए हर जगह यह संगठन लोगों की व्यक्तिगत आज़ादी को खत्म करने के लिए प्रयासरत है।

तीसराए संघ और भाजपा की राजनीति भय पर टिकी हुई है। एक समुदाय को दूसरे से डराने की रणनीति को यह संगठन बड़ी बारीकी से अपनाता है। कभी लव जिहाद के नाम परए कभी मॉब लिंचिंग के जरियेए कभी फिल्म या किताबों के बहानेए संघ का एक ही उद्देश्य होता है . अल्पसं यकों को हाशिए पर धकेलना और बहुसं यक समुदाय को असुरक्षा का झूठा अहसास दिलाकर उग्र हिंदुत्व की राजनीति को मजबूत करना। इतिहास को देखें, तो भाजपा और संघ की इस राजनीति के कई उदाहरण मिलते हैं। चाहे वह 1992 का बाबरी विध्वंस हो, 2002 का गुजरात दंगा हो, 2013 का मुज फरनगर दंगा हो या नागरिकता कानून विरोधी आंदोलन के दौरान दिल्ली हिंसा ;2020 जिसमें एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन को सांप्रदायिक हिंसा में बदल दिया गया। यह सभी घटनाएं बताती हैं कि भाजपा और संघ की राजनीति सिर्फ और सिर्फ विभाजन पर आधारित है। नागपुर में हुई इस हिंसा के पीछे भाजपा की असल मंशा आगामी चुनावों के लिए ध्रुवीकरण है। जिस तरह देश में आर्थिक संकट और बेरोजगारी बढ़ रही हैए भाजपा के पास जनता को देने के लिए कुछ नहीं है। ऐसे में विभाजनकारी राजनीति ही उसका आखिरी हथियार है।

साथ ही वह संविधान को कमजोर करने की योजना के लिए जमीन तैयार कर रही है। हाल ही में बार.बार संविधान बदलने की बात की जा रही है।

फड़नवीस सरकार और संघ की विचारधारा का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत धीरे.धीरे हिंदू राष्ट्र की ओर बढ़े। इसके अलावा ध्यान भटकाने की अपनी परखी हुई रणनीति के तहत भाजपा ने अडानीए बेरोजगारीए महंगाईए किसान आंदोलनए शिक्षा नीति जैसे मुद्दों पर बहस न होए इसके लिए धार्मिक उन्माद का सहारा लिया है।

संविधान कहता है कि भारत सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों वाला देश हैए लेकिन भाजपा और संघ की राजनीति एक अलग ही तस्वीर पेश करती है। लव जिहादए गौ हत्याए धर्मांतरण जैसे मुद्दों को उठाकर अल्पसं यकों के खिलाफ कानूनी हथियार तैयार किए जा रहे हैं। बुलडोजर राजनीति के जरिये मुसलमानों और दलितों के घरों को ध्वस्त किया जा रहा है। मदरसोंए हिजाब और हलाल पर हमले करके मुसलमानों की सांस्कृतिक पहचान को खत्म करने की कोशिश हो रही है। सोशल मीडिया पर हेट स्पीच और गोडसे की महिमा गाने वाले ट्रेंड को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भाजपा और संघ यह अच्छी तरह जानते हैं कि अगर जनता असली मुद्दों पर सवाल पूछने लगीए तो उनकी सत्ता खतरे में पड़ जायेगी। इसलिए बार.बार देश को सांप्रदायिक हिंसा की ओर धकेलने की कोशिश की जाती है। कभी इतिहास को विकृत करकेए कभी फिल्मों और किताबों के माध्यम सेए कभी हिंदू.मुस्लिम विवादों को बढ़ावा देकरए कभी सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाकरए तो कभी पुलिस और प्रशासन को सांप्रदायिक एजेंडे में ढालकर। और अंत में आज जब भाजपा.संघ का एजेंडा संविधानए धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे के खिलाफ खुलकर सामने आ रहा हैए तब इसकी वैचारिक लड़ाई तेज करने की ज़रूरत है। शिक्षा और मीडिया पर संघ के कब्जे को चुनौती देना आज वक्त की ज़रूरत है। साथ ही इतिहास और संस्कृति के नाम पर फैलाए जा रहे झूठ का पर्दाफ़ाश करनाए अल्पसं यकों और कमज़ोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होना और लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के समर्थन में बड़े सामाजिक आंदोलन खड़े करने की ज़रूरत है।

नागपुर हिंसा और उससे जुड़ी राजनीति यह बताने के लिए काफ़ी है कि भाजपा और संघ का असली उद्देश्य जनता को आपस में लड़वाकर अपनी सत्ता बनाये रखना है। लेकिन सवाल यह है कि क्या देश की अमन पसंद अवाम इसे होने देगी?

विविध समाचार

झारखंड के साहिबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर, लोको पायलट समेत दो की मौत

साहिबगंज १९/११ (संवाददाता): देशभर में रेल हादसों की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में कई घटनाएं हो चुकी हैं। ताजा खबर झारखंड के साहिबगंज से आ रही हैं जहां दो मालगाड़ियों की टक्कर में लोको पायलट समेत दो लोगों की मौत हो गयी हैं। घटना स्थल पर बचाव कार्य जारी हैं। एजेंसी घटना कैसे हुई इसका पता लगाने में लगी हुई हैं।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में कम से कम पांच रेलकर्मी और एक सीआरपीएफ जवान भी घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज बरहेट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। घटना के बाद प्रशासन ने स्थिति का आकलन करने और जांच शुरू करने के लिए एक टीम को मौके पर भेजा।

हादसा साहिबगंज जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के पास फरक्का-लालमटिया एमजीआर रेलवे लाइन पर हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, खाली मालगाड़ी बरहेट एमटी पर खड़ी थी, तभी लालमटिया से आ रही कोयले से लदी थ्रू-पास मालगाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर तड़के करीब साढ़े तीन बजे हुई।

गढ़वा के एक अस्पताल में अचानक पहुंच गए अफसर, डॉक्टर सहित कई कर्मचारी रहे ड्यूटी से गायब, वेतन काटने का दिया आदेश

गढ़वा १९/११ (संवाददाता): साल के अंतिम दिन मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार पूरे फर्म में दिखे।

डॉ. अशोक कुमार मंगलवार की सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीएल रजिस्टरए उपस्थिति पंजी और अस्पताल में ड्यूटी में तैनात चिकित्सक और अन्य अस्पताल कर्मियों बारे में ड्यूटी से संबंधित बारी.बारी से जानकारी ली।जांच के दौरान सीएस ने पाया कि आयुष चिकित्सक डॉ. अभिनीत विश्वास द्वारा 27 दिसंबर को लिखे सीएल केआवेदन पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉण् दिनेश सिंह ने सात दिन पहले 20 दिसंबर से ही छुट्टी स्वीकृत कर दी है। इसी प्रकार प्रधान लिपिक अरुण लकड़ा पिछले तीन दिनों से ड्यूटी से गायब मिले नेत्र चिकित्सक डॉ. सोनी कुमारी 28 दिसंबर से बिना सीएल के ही गायब हैं। एमपीडब्ल्यू गुसेश्वर प्रसाद तीन दिनों ड्यूटी से गायब पाए गए। डॉ. एमडी फैज तथा प्रिंस कुमार सोमवार से ही ड्यूटी से गायब हैं।

लेकिन उन दोनों का सीएचसी के उपस्थिति पंजी में मंगलवार का एडवांस उपस्थिति बना हुआ मिला।इसी प्रकार उन्होंने पाया कि कैलान में आदिम जनजाति का चार सौ घर हैं। लेकिन डॉण् सुभग सिंह द्वारा घर घर न जाकर शिविर के माध्यम से ग्रामीणों का इलाज किया जा रहा है।

इसकी जानकारी के बाद सिविल सर्जन भड़क उठे। उन्होंने उक्त चिकित्सक को अपने साथ कैलान के आदिम जनजाति बहुल गांव ले जाकर चिकित्सक की भौतिक कार्यों की सत्यापन की।

इस निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों एवं कर्मियों का सीएल रजिस्टर मांगे जाने पर लिपिक सुनील पटेल द्वारा गोदरेज की चाबी नहीं होने की बात कह पल्ला झाड़ दिया। फार्मासिस्ट अजीत कुमार के आधे घंटे देर से ड्यूटी पर पहुंचे।

सीएस ने कारण पूछा तो उसने बाइक पंचर होने की बात कही।जब सीएस ने हड़काया तो फार्मासिस्ट ने उसने गिड़गिड़ाते हुए आगे से ससमय ड्यूटी पर आने का बात कह माफी मांगी। वहींए एमटी का इंचार्ज विद्यानंद प्रजापति से मलेरिया का इंट्री डाटा की मांग किए जाने के बाद घर पर रजिस्टर होने का हवाला दिया। जिस पर सीएस ने घर से रजिस्टर लाकर दिखाने की बात कही।सीएचसी भवनाथपुर में पदस्थापित आयुष चिकित्सक डॉ. जेपी ठाकुर को सदर अस्पताल गढ़वा से विरमित करते हुए पुन: सीएचसी भवनाथपुर में भेजने की बात कही।

जांच के दौरान सीएचसी में ड्यूटी से अनुपस्थित आधा दर्जन से अधिक चिकित्सकों तथा कर्मियों की हाजिरी काटी। उनके द्वारा जिनकी हाजिरी काटी गई है, उनमें एलटी कृष्णा चौधरी का तीन दिन, ओटी उपेंद्र राम तीन दिन, डॉ. अनुपमा तीन दिन, नीतीश भारती का तीन दिन, एमपीडब्ल्यू गुसेश्वर प्रसाद का तीन दिन, अरुण लकड़ा का तीन दिन की हाजिरी शामिल है। सिविल सर्जन ने उक्त सभी से स्पष्टीकरण की भी मांग की है।

आज का राशिफल

मेष - आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ - गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के सम्बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी -व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क - गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह - आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या - गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप ज्याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला - गणेशजी कहते हैं कि सामान्य रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक - आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के सम्बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के सम्बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु - गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर - आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ - गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन - आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

रामगढ़ और कोडरमा में एक बच्चे को भी छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर नाराज हुए मंत्री

रांची १९/११ (संवाददाता): कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने रामगढ़ और कोडरमा जिले में प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण में शून्य प्रगति पर नाराजगी प्रकट की है। मंगलवार को छात्रवृत्ति और साइकिल वितरण की समीक्षा में इन दोनों जिलों में बच्चों को छात्रवृत्ति के भुगतान नहीं होने का मामला सामने आया।

इसपर मंत्री ने जिला कल्याण पदाधिकारियों को तीन दिनों में छात्रवृत्ति का भुगतान करने के सख्त निर्देश दिए। तीन दिनों में भुगतान नहीं होन पर जिम्मेदार पदाधिकारियों और कर्मियों के जनवरी माह से रोक लगाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने मोरहाबादी स्थित कल्याण कांप्लेक्स में सभी जिलों के कल्याण पदाधिकारियोंए आइटीडीए के परियोजना निदेशक तथा प्रमंडलीय उप निदेशकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विद्यार्थियों के बीच साइकिल तथा छात्रवृत्ति वितरण के कार्य प्रगति की जिलावार समीक्षा की।इस दौरान उन्होंने रामगढ़ तथा कोडरमा सहित सभी जिलों को तीन दिनों में छात्रवृत्ति का भुगतान करने को कहा। उन्होंने छात्रवृत्ति वितरण में कोताही बरतनेवालों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी।मंत्री ने सभी जिलों को चार जनवरी तक प्री मैट्रिक से संबंधित सभी लंबित छात्रवृत्ति भुगतान के मामलों का निपटारा प्राथमिकता के साथ करने को कहा। कहाए कल्याण विभाग के अंतर्गत काम करनेवाले सभी पदाधिकारी और कर्मचारी यह समझें कि वे सामाजिक कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पदाधिकारी समस्या नहीं बल्कि समाधान का रास्ता निकालें। बैठक में विभागीय सचिव कृपानंद झाए आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आनेवाले माह फरवरी के अंत तक पोस्ट.मैट्रिक छात्रवृत्ति राशि वितरण के सभी मामलों को पूरा कर ली जाए।

उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति वितरण कल्याण विभाग का एक महत्वपूर्ण कार्य है। अध्ययनरत विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति राशि मिलने से उन्हें शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा परीक्षा की तैयारी में मदद मिलती है।

मंत्री ने जनवरी माह के अंत तक साइकिल वितरण का कार्य पूरा करने की समय सीमा भी निर्धारित की है। उन्होंने कहा कि साइकिल वितरण योजना का उद्देश्य कक्षा आठ उत्तीर्ण करनेवाले विद्यार्थियों का ड्राप आउट रोकना है। इसे ध्यान में रखकर साइकिल का वितरण समय पर हो।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आनेवाले दिनों में भी सत्र प्रारंभ होने के साथ ही विद्यार्थियों को साइकिल उपलब्ध कराने का कार्य योजना तैयार रखें। किसी भी हाल में साइकिल वितरण कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए।

अब सरकारी डॉक्टरों के भरोसे नहीं रहेंगे मरीज, झारखंड वासियों को नए साल में बड़ा गिफ्ट देने जा रही हेमंत सरकार

रांची १९/११ (संवाददाता): नव वर्ष 2025 में राज्य में ऐसी दो बड़ी योजनाएं मूर्त रूप लेंगीए जिनके पूरी तरह लागू होने से रिम्स सहित अन्य सरकारी अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी। इनमें एक राज्य कर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना हैए जो जनवरी माह में ही लॉन्च होगी।

इसके माध्यम से राज्य के विभिन्न विभागोंए कार्यालयों एवं बोर्ड.निगमों में कार्यरत लगभग 10 लाख राज्य कर्मियों और पेंशनरों को पांच से दस लाख रुपये तक निश्शुल्क इलाज सूचीबद्ध अस्पतालों में हो सकेगा।

दूसरेए मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना भी पूरी तरह क्रियान्वित होगीए जिसके तहत लाभुक परिवारों का अब पांच लाख के बजाय 15 लाख रुपये तक निश्शुल्क इलाज होना है। इन दोनों महत्वाकांक्षी योजनाएं से राज्य की बड़ी आबादी कवर हो जाएगीए बशर्ते इनका अनुपालन सही तरीके से हो सके।

राज्य सरकार ने ऐसी नीति भी लागू की हैए जिसके तहत अब सरकारी अस्पताल चिकित्सक नहीं होने का बहाना नहीं बना सकते। सिविल सर्जनों को आर्थिक शक्तियां दी गई हैंए जिससे वे निजी विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा ले सकते हैं।इसके लिए प्रतिवर्ष की राशि भी निर्धारित की गई है।

राज्य सरकार की नीति सदर अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ऑपरेशन की सुविधा बहाल करने की भी है।

रांची सदर अस्पताल ने इसमें बेहतर काम किया तो इसकी तर्ज पर पांच अन्य जिलों में भी सदर अस्पतालों या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

गिरिडीह के गांडेयए साहिबगंज के बरहेटए जामताड़ा सदर के अलावा दो अन्य जिलों का चयन होना है। राज्य में सबसे बड़ी समस्या चिकित्सकों की कमी की हैए जिसे दूर करने के लिए रांची में रिम्स की तर्ज पर एक अन्य मेडिकल कालेज कांके के रिनपास परिसर में खोले जाने का निर्णय लिया गया है।

बोकारोए कोडरमा और चाईबासा में पहले से इसपर काम चल रहा है। वर्ष 2025 में कोडरमा मेडिकल कालेज का निर्माण पूरा हो सकता है। केंद्र ने चालू वित्तीय वर्ष में ही खूंटी और गिरिडीह में मेडिकल कालेज खोलने की योजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस योजना पर भी नए वर्ष में तेजी से काम होने की उम्मीद है।

स्वास्थ्य विभाग एक ऐसे पोर्टल के निर्माण पर काम कर रहा हैए जिसके तहत न केवल सरकारी बल्कि निजी क्षेत्र में क्रय.विक्रय की जानेवाली दवा पर आनलाइन निगरानी की जा सकेगी।

वर्तमान में निजी क्षेत्र में बिक्री की जानेवाली दवा की निगरानी तो दूर सरकारी क्षेत्र में आपूर्ति की जानेवाली दवा की भी निगरानी नहीं हो पाती। अब इसके लिए तंत्र विकसित होने से नकली दवा की बिक्री और आपूर्ति पर रोक लग सकेगी।

मेले से लौट रहे 2 साइकिल सवारों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

सरायकेला १९/११ (संवाददाता): सरायकेला-खरसावां जिले के चौका थाना क्षेत्र के बंसा में हुई सड़क दुर्घटना में 1 व्यक्ति की मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि दोनों लोग साइकिल से मेला देखकर लौट रहे थे। इसी दौरान यह अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। इसमें 12 वर्षीय मासूम हीरा महतो की मौके पर ही मौत हो गईए जबकि धीरेन महतो गंभीर रूप से घायल हो गए। इसे इलाज के लिए जमशेदपुर के डळड अस्पताल में भर्ती किया गया है दोनों पालगम के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही चौका थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सड़क जाम कर रहे लोगों को समझाकर किसी तरह यातायात शुरू कराया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि इलाके में सड़क दुर्घटनाओं में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके बावजूद इसकी रोकथाम के लिए कोई कार्रवाई नहीं हो रही। पुलिस की ओर से कहीं भी बड़े वाहनों के आवागमन के बारे में समुचित जांच नहीं की जा रही। लिहाजा बड़े वाहन कहीं भी लोगों को टक्कर कर निकल रहे हैं। पुलिस की ओर से आश्वासन दिया गया कि जल्द ही घटना को अंजाम देने वाले वाहन के बारे में जानकारी एकत्र कर ली जाएगी। स्थानीय लोग पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग कर रहे थे।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

आरएसपी द्वारा लाठीकटा प्रखंड में सिनर्जी लोक सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन

राउरकेला १९/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के सीएसआर विभाग द्वारा टैंसर गाँव के तेलीटोला में आयोजित सिनर्जी लोक सांस्कृतिक महोत्सव की क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में लाठीकटा प्रखंड के विभिन्न गाँवों के तीस नृत्य मंडलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।आरएसपी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), श्री तरुण मिश्र ने समापन समारोह में मुज़्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि मुज़्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ एवं सीएसआर), श्री टी जी कानेकर समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी (सीएसआर), सुश्री मुनमुन मित्रा, उप महाप्रबंधक (सीएसआर), श्री आर एस बाड़ा, उप महाप्रबंधक (सीएसआर), श्री टी बी टोप्पो, सहायक महाप्रबंधक (सीएसआर), श्री बी जेना, उप प्रबंधक (सीएसआर), श्री एस के सुकुला और जिला परिषद सदस्य, लाठीकटा, सुश्री संजुक्ता बिंदु बारला, सीएसआर के अन्य पदाधिकारी, स्वयं सहायता समूह के सदस्य और गांव के बुजुर्ग उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री मिश्र ने विजेताओं के साथ-साथ कार्यक्रम के प्रतिभागियों को बधाई दी और क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में आरएसपी के सीएसआर विभाग के प्रयासों की सराहना की। श्री तरुण मिश्रा ने प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्रदान किए जबकि श्री कानेकर ने तृतीय पुरस्कार प्रदान किया। अन्य गणमान्यों ने भाग लेने वाली टीमों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए। सलिया टोली गाँव का उराँव सांस्कृतिक नृत्य समूह लाठीकटा प्रखंड नृत्य महोत्सव का विजेता बना और उसे 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार और चैंपियन ट्रॉफी प्राप्त हुआ ।

नुआगांव गाँव की कर्म कला परिषद ने दूसरा पुरस्कार जीता जिसमें 8,000/- रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी शामिल थी। तीसरा पुरस्कार बेतौरा गाँव की जय माँ सरना आदि शाकी नृत्य मंडली को 6000/- रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी प्रदान की गई। इस अवसर पर निर्णायक मंडल को भी सज़्मानित किया गया। शेष भाग लेने वाली प्रत्येक मंडली को 2,500/- रुपये का सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया।

यह कार्यक्रम आरएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा तेलीटोला, टैंसर गाँव के श्री राम स्वयं सहायता समूह के सहयोग से आयोजित किया गया था।

सुश्री मुनमुन मित्रा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया, जबकि श्री टी बी टोप्पो ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन आरएसपी की सीएसआर टीम द्वारा किया गया। आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संज़्या में ग्रामीणों ने इस नृत्य समारोह का आनंद लिया।

अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण सरकारी स्कूलों में पढ़ाई बाधित

झारीगांव- गुणवज़ापूर्ण शिक्षा को सरकार की प्राथमिकता के बावजूद, आदिवासी बहुल इलाकों में छात्रों को अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे के कारण गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। नवरंगपुर ज़िले के झारीगांव ज़्लॉक के फुपुगांव सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में, कक्षाओं की कमी के कारण छात्रों को जर्जर छात्रावास के कमरों में पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस स्कूल में प्री-प्राइमरी से लेकर दसवीं कक्षा तक के कुल 509 छात्र पढ़ते हैं। प्राथमिक कक्षाओं के लिए सात और हाई स्कूल के छात्रों के लिए छह शिक्षक हैं, लेकिन अपर्याप्त कक्षाओं के कारण पाँचवीं से दसवीं कक्षा तक के छात्रों को सिर्फ़ चार कक्षाओं में ही ठूँसना पड़ता है। सातवीं और आठवीं कक्षा की कक्षाएं एक ही कमरे में चल रही हैं, जिससे छात्रों को पढ़ाई में काफी दिक्कत हो रही है।

स्वच्छता और आवासीय सुविधाओं की भी हालत खराब है। स्कूल के छात्रावास, जिसमें 120 छात्र रहते हैं, में केवल दो ही चालू कमरे हैं और सभी शौचालय बंद पड़े हैं। छात्रों को शौच के लिए खुले मैदानों या आस-पास के खेतों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इस हज़्ते की शुरुआत में, छठी कक्षा के एक छात्र, कृष्णा भात्रा, छात्रावास में टूटी टाइलों के कारण गिरने से सिर में चोट लग गई थी। स्थानीय हितधारकों ने अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण, छात्रावास और स्वच्छता सुविधाओं की मरज़्मत, सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था और स्थायी प्रधानाध्यापकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की नियुक्ति सहित तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

बाली यात्रा में श्रेया घोषाल के कॉन्सर्ट के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति

कटक १९/११ (संवाददाता): कटक में बाली जात्रा व्यापार मेले में गायिका श्रेया घोषाल के संगीत कार्यक्रम के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया, एक सूत्र ने बताया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हंगामे में एक व्यक्ति बेहोश हो गया और उसे इलाज के लिए एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। किसी के हताहत होने या गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। हालाँकि, पुलिस आयुक्त एस देव दज़ा सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया, ऐसी कोई अप्रिय स्थिति नहीं थी। यह सच है कि वहाँ भारी भीड़ थी, लेकिन हमने उसे ठीक से संभाला। एक व्यक्ति को मामूली चोट आई है और उसकी हालत स्थिर है।

नियंत्रण कक्ष से कार्यक्रम की निगरानी कर रहे सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्थिति का आकलन करने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मौके पर पहुँचे। पुलिस ने जन संबोधन प्रणालियों का उपयोग करते हुए उपस्थित लोगों से शांत रहने और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। देश के सबसे बड़े व्यापार मेलों में से एक, बाली जात्रा में कानून-व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन के लिए 70 प्लाटून-लगभग 2,100 कर्मियों - की तैनाती के बावजूद यह घटना घटी। पूर्वी भारत के सबसे बड़े व्यापारिक और सांस्कृतिक मेलों में से एक बाली जात्रा के अंतिम दिन भारी भीड़ देखी गई और हजारों लोग इसमें शामिल हुए।

हिंदू महासभा और ग्रामीणों के बीच झड़प, पुलिस के साथ गतिरोध

तिहिडी १९/११ (संवाददाता):भद्रक जिले के तलपाड़ा गाँव के निवासियों और एक स्कूल प्रधानाध्यापक के बीच हुई झड़प के बाद गुरुवार को पिराहाट पुलिस और ग्रामीणों के बीच गतिरोध पैदा हो गया।

शुरुआती झड़प के कारण बुधवार रात दो ग्रामीणों की गिरज़्तारी के बाद, स्थानीय लोगों ने सुबह तक पुलिस वैन को गाँव से बाहर जाने नहीं दिया। बाद में लगभग 40 ग्रामीणों ने गुरुवार को पिराहाट पुलिस स्टेशन के बाहर धरना दिया, जिससे तनाव पैदा हो गया। बाद में हस्तक्षेप के बाद स्थिति पर काबू पाया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह विवाद 11 नवंबर को तब शुरू हुआ जब ग्रामीणों ने तलपाड़ा प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत एक रसोइए को बर्खास्त करने की माँग की।

प्रधानाध्यापक ने ऐसा करने से इनकार कर दिया, जिसके कारण उनके और ग्रामीणों के बीच तीखी बहस और हाथापाई हुई। बाद में दोनों पक्षों ने पिराहाट पुलिस स्टेशन में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। प्रधानाध्यापक प्रशांत कुमार जेना और गौरी मलिक नाम की एक महिला ने अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने दो मामले (धारा 311/25 और 312/25) दर्ज किए।

जेना की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, आईआईसी रोज़लिन बेहरा के नेतृत्व में नौ पुलिसकर्मियों की एक टीम बुधवार रात दो ग्रामीणों, अभिमन्यु मलिक और सुशील मलिक, को गिरज़्तार करने गई। जब वे रात करीब एक बजे गिरज़्तारी करने गाँव पहुँचे, तो कई ग्रामीणों ने कथित तौर पर उनका विरोध किया, गालियाँ दीं और कुछ देर के लिए पुलिस अधिकारियों को हिरासत में ले लिया। स्थानीय सरपंच चक्रधर दास के हस्तक्षेप के बाद सुबह करीब छह बजे पुलिसकर्मियों को रिहा किया गया। बाद में ग्रामीणों ने देर रात हुई गिरज़्तारियों पर नाराजगी जताई और माँग की कि गौरी मलिक की शिकायत पर भी कार्रवाई की जाए और हिरासत में लिए गए दोनों ग्रामीणों को रिहा किया जाए। तिहिडी थाने के आईआईसी सत्यव्रत ग्रहाचार्य के पिराहाट पहुँचने और उन्हें अपना विरोध वापस लेने के लिए मनाने के बाद ग्रामीण माने।

एनजीटी ने निर्माण कंपनी के एमडी को तलब किया

कटक १९/११ (संवाददाता): राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की कोलकाता स्थित पूर्वी क्षेत्र पीठ ने केंद्रपाड़ा जिले में लूना नदी के 18 एकड़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के आरोप वाले एक मामले में झारखंड स्थित एक निर्माण कंपनी के प्रबंध निदेशक को तलब किया है और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को प्रतिवादी बनाया है। न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ईश्वर सिंह की पीठ ने स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ता अलया सामंतराय द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश जारी किए, जिनका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता शंकर प्रसाद पाणि और आशुतोष पाढ़ी कर रहे थे। आरोप लगाया गया है कि मरसाघई तहसील के अंतर्गत बड़ापाल में एनएच-53 के विस्तार में लगी कंपनी द्वारा लगातार किए जा रहे अतिक्रमण से नदी के पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

याचिका पर कार्रवाई करते हुए, अधिकरण ने पहले मरसाघई के तहसीलदार और केंद्रपाड़ा सिंचाई प्रभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा संयुक्त निरीक्षण का निर्देश दिया था। निरीक्षण रिपोर्ट ने पुष्टि की कि विचाराधीन भूमि, जो आधिकारिक अभिलेखों में बड़ापाल मौज़ा में आबाद अजोग्या अनाबाड़ी और नाडी क्षेत्र के रूप में दर्ज है, लूना नदी की श्रेणी में आती है।

अतिक्रमणकारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है एसएमसी की कार्रवाई से

संबलपुर १९/११ (संवाददाता): संबलपुर नगर निगम (एसएमसी) ने शहर के विभिन्न हिस्सों में सड़कों से अतिक्रमण और अवैध ढाँचों को हटाने के लिए व्यापक बेदखली अभियान शुरू किया है। नगर निगम ने स्वच्छ एवं अतिक्रमण मुक्त शहर पहल के तहत अपने अतिक्रमण विरोधी अभियान को तेज़ कर दिया है। इस अभियान के तहत नालों के ऊपर बनी और सड़कों तक फैली उन अनाधिकृत दुकानों को निशाना बनाया जा रहा है जो यातायात में बाधा डालती हैं और स्वच्छता के लिए खतरा पैदा करती हैं। खेतराजपुर में नालों के ऊपर बनी दुकानों के कई मालिकों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं और उन्हें तुरंत अपनी दुकानें हटाने या ध्वस्तीकरण का सामना करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा, विशेष रूप से बुधराजा क्षेत्र में, कई अस्थायी दुकानों और ठेले मालिकों पर सड़कों के किनारे दुकानें चलाने और बेतरतीब पार्किंग की अनुमति देकर जाम लगाने के लिए जुर्माना लगाया जा रहा है।

इसी तरह, सड़कों पर अतिक्रमण करने वाली दुकानों के बाहर लगे अनाधिकृत बैनर और बोर्ड भी हटाए जा रहे हैं।

आरएसपी में नये प्लेट मिल की महामरमती 'शून्य क्षति' के साथ सफलतापूर्वक संपन्न

राउरकेला १९/११ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) की नये प्लेट मिल (एनपीएम) की महामरज़्मती दस दिनों की नियोजित अवधि, अर्थात 3 से 12 नवंबर 2025 तक, सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई। यह व्यापक मरज़्मती अभियान शून्य क्षति के दृढ़ संकल्प के साथ शुरू किया गया और सावधानीपूर्वक योजनाबद्धता के साथ और टीम वर्क के माध्यम से सुरक्षित, व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से निष्पादित किया गया। इस महामरज़्मती के दौरान, रीहीटिंग फर्नेस, रोलिंग मिल स्टैंड, फिनिशिंग लाइन उपकरण और कई संबंधित सहायक उपकरणों जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों की पूरी तरह से मरज़्मत की गई और निर्धारित समय के अनुसार उनका रखरखाव किया गया।

नियमित निवारक और सुधारात्मक रखरखाव कार्यों के अलावा, कई पहली बार और अभिनव गतिविधियाँ सफलता पूर्वक संपन्न की गईं, जिनमें रीहीटिंग फर्नेस (आरएचएफ) की एमिसिविटी कोटिंग, पूरे स्केल चैनल की मशीनीकृत स्केल सफाई, स्केल पिट क्रेन ट्रॉली का प्रतिस्थापन, आरएचएफ चार्जिंग साइड लिंटेल प्रतिस्थापन, 4 डीएसटीएस पिंच रोल का प्रतिस्थापन और फिनिशिंग लाइन एल-1 सिस्टम अपग्रेडेशन शामिल हैं। निर्धारित समय सीमा के भीतर इन महत्वपूर्ण गतिविधियों का सफल निष्पादन सभी संबंधित टीमों के बीच घनिष्ठ समन्वय और कई विभागों के कर्मियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से संभव हो सका। महा मरज़्मती अवधि के दौरान सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। आरएचएफ के पास एक सेज़्टी कॉर्नर की स्थापना, यू सील ड्रेन वाल्व लॉकिंग का कार्यान्वयन, विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा टूलबॉज़्स वार्ता (टीबीटी), सीमित स्थान और ऊँचाई कार्य परमिट (पीटीडज़्ल्यू) जारी करना, और भूमिगत स्केल चैनलों में ऑज़्सीजन के स्तर की दैनिक निगरानी जैसी पहलों को लगन से किया गया। पूरा अभियान 'शून्य क्षति' के साथ संपन्न हुआ, जिसमें किसी भी घटना या दुर्घटना की सूचना नहीं मिली। यह उल्लेखनीय उपलज़्धि नए प्लेट मिल की महा मरज़्मती में शामिल सभी लोगों द्वारा प्रदर्शित मज़बूत सुरक्षा संस्कृति, नवाचार, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता को दर्शाती है। यह कार्य मुज़्य महाप्रबंधक (एनपीएम एवं एसपीपी), श्री आर के मुदुली के मार्गदर्शन और एनपीएम के विभिन्न अनुभागों के प्रमुखों के नेतृत्व में संपन्न हुआ।